एक नजर में

अज्ञात जानवरों ने किया बछडे का शिकार

मुलताई। क्षेत्र की ग्राम चिल्हाटी में रविवार रात एक जंगली जानवर ने एक गाय के बछड़े का शिकार किया है. बताया जा रहा है कि मौके पर पग मार्क भी मिले हैं. जिसकी सूचना वन विभाग को भी दी गई है. जंगली जानवर के मूवमेंट से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है. ग्रामीणों ने बताया कि संदीप साहू के गाय के बछड़े का शिकार किया गया है. संदीप साहू के खेत में बने मकान में मवेशी बंधे हुई थे. रात में गायों के रंभाने की आवाज आने पर जब आसपास के लोगों ने उठकर देखा तो गाय का बछड़ा मकान के बाहर मरा हुआ था व उसका शिकार किया गया था. आसपास देखने पर तेंदुआ के पंजे के निशान मिले हैं, तुरंत इसकी सूचना देकर ग्रामीणों को अलर्ट किया गया कि क्षेत्र में कोई जंगली जानवर घूम रहा है पूरे मामले को लेकर रेंजर नितिन पवार का कहना है कि सूचना मिलने पर मौके पर टीम भेजी गई है, किसी जंगली जानवर का मूवमेंट है. इधर ग्रामीणों का कहना है कि रात से क्षेत्र में तेंदुए की होने की खबर से सभी में डर व्याप्त है. अधिकांश लोग रात में जागली कर रहे हैं, इसके पहले भी इस क्षेत्र में कई बार जंगली जानवर दिखाई दिए है.

सरोवर के तट पर महिलाओं के लिए बना चेंजिंग रूम

मुलताई। ताप्ती सरोवर पर स्नान करने आने वाली महिलाओं को अब परेशानी का सामना नहीं करना पडेगा. नगर पालिका ने महिलाओं के लिए महिला घाट के पास चेंजिंग रूम बना दिया है. जिससे अब महिलाओं को स्नान के बाद कपडे बदलने में सुविधा होगी. ताप्ती सरोवर में चेंजिंग रूम बनाने की मांग कई सालों से उठ रही थी. इसके बाद भी इसे गंभीरता से नहीं लिया जाता था. ऋषि पंचमी, कार्तिक पूर्णिमा सहित अन्य अवसरों पर ताप्ती स्नान करने महिलाओं की भीड उमडती है. इस दौरान नगर पालिका घाटों पर कनात लगाती थी. महिलाओं को सरोवर पर होने वाली परेशानी से पिछले दिनों सभापति अजय यादव, ताप्ती मंदिर ट्रस्ट के चिंटू खन्ना सहित अन्य ने नपा अध्यक्ष वर्षा गढेकर और सीएमओ आरके इवनाती को अवगत कराया. नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गढेकर ने इसे गंभीरता से लिया और महिला घाट के पास चेंजिंग रूम बनाने के निर्देश दिए. रविवार को सरोवर पर बने महिला घाट की दीवार से सटकर चेंजिंग रूम बनाया गया. चेंजिंग रूम बनने से अब महिलाओं की परेशान हमेशा के लिए दूर हो जाएगी. अजय यादव ने बताया महिला घाट के अलावा अन्य घाट पर भी चेंजिंग रूम बनाने के लिए जगह का निरीक्षण किया जाएगा. कई दिनों से चेंजिंग रूम बनाने की मांग उठ रही थी.

बीमारी की चपेट में भीमपुर ब्लाक के दर्जनों गांव, घर-घर मरीज

नवभारत न्यूज

बैतूल, 26 अगस्त. जिले के आदिवासी बाहुल्य भीमपुर ब्लॉक के दर्जनों गांव में रहने वाले ग्रामीण बीमारी के चपेट में हैं. हालात यह हैं कि स्वास्थ्य सुविधा ना होने और मॉनिटरिंग ना होने से झोलाछाप डॉक्टरों की चांदी हो चुकी है.

घरोघर मौजूद मरीज, झोलाछाप के भरोसे

बदलते मौसम के कारण बढ़ रही बीमारियां

आश्चर्य इस बात का है कि स्वास्थ्य महकमा तो हाथ पर हाथ धरे बैठा है, लेकिन झोलाछाप डॉक्टर क्षेत्र में पूरी मुस्तैदी से तैनात हैं. ऐसे में यदि कोई ग्रामीण गलत इलाज का शिकार हो जाए तो उसकी जान भी जा सकती है. फिलहाल ग्रामीण बुरी तरह सर्दी, खांसी, बुखार, उल्टी, दस्त और वायरल की चपेट में हैं. जिले के भीमपुर और पडोसी भैंसदेही ब्लॉक में आने वाले दर्जनों ग्रामों में बीमारी कहर बरपा रही है. इनमें भीमपुर ब्लाक के ग्राम बटकी, गुरवा, पिपरिया, जिरुधाना में मरीजों की संख्या ज्यादा है. जानकारी मिली है कि शायद ही इन ग्रामों में ऐसा कोई घर बचा हो, जहां सर्दी बुखार और उल्टी दस्त के मरीज ना हो. हालात यह है कि प्रत्येक घरों में दो से चार लोग बुखार में तप रहे हैं. बताया जाता है कि कुछ ग्रामीण उल्टी-दस्त के भी शिकार है. इन बीमारियों में महिलाओं और छोटे बच्चों की संख्या सबसे ज्यादा बताई जा रही है. अभी तक बीमारी के संबंध में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से कोई एक्शन नही लिया है. अधिकारी टीम भेजकर गांव में बीमारी के संबंध में जानकारी लेने की बात कह रहे है, लेकिन ग्रामीण बीमारी को लेकर झोलाछाप डॉक्टरों की शरण में जाने के लिए मजबूर हो गये है. झोलाछाप डॉक्टर भी ऐसी स्थिति का फायदा उठाकर गरीबों को लूटने में लगे है. अधिकारियों का कहना है कि मौके पर जाकर जांच करने के बाद ही बीमारी के संबंध में और अधिक जानकारी प्राप्त हो पायेगी. उपचार के साथ-साथ लोगों को मौसमी बीमारियों से बचाव को लेकर भी जागरूक किया जायेगा, ताकि बीमारी को कम किया जा सके.

> भीमपुर ब्लॉक के कुछ ग्रामों में ग्रामीणों में फैली बीमारी की सूचना मिली है. टीम बनाकर रवाना की गई है. टीम के साथ दवाइयां भेजी गई हैं. निगरानी भी कराई जा रही है.
>
> **डॉ. रविकांत उइके**
> सीएमएचओ बैतूल

बेखबर स्वास्थ्य महकमा, झोलाछाप की बल्ले-बल्ले

दोनों ही ब्लॉकों के दर्जनों ग्रामीण बीमारी का शिकार हैं, लेकिन इन ग्रामों में ना डॉक्टरों की टीम भेजी गई है और ना मॉनिटरिंग कराई जा सकी है. स्वास्थ्य सुविधा के नाम पर गांव गांव सिर्फ झोलाछाप डॉक्टर ही नजर आ रहे हैं. ग्रामीणों का कहना है कि ठंड लगकर बुखार आना उल्टी-दस्त जैसी बीमारी से ग्रसित मरीज घरों-घर मिल रहे हैं. यह सब झोलाछाप डाक्टरों से उपचार करा रहे हैं. भीमपुर विकासखंड के अनेक गांवों में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव नजर आ रहा है. प्राथमिक उप स्वास्थ्य केंद्र भी दुर्दशा का शिकार होने के साथ डॉक्टरों और स्टाफ की कमी से जूझ रहा है. दोनों अस्पतालों के अंतर्गत दो दर्जन से अधिक गांव आते हैं, लेकिन इन अस्पतालों में सुविधाओं की कमी है.

दूषित पानी पीने से परहेज करे ग्रामीण

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रविकांत उइके से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि जिन गांवों में बीमारी फैली है, वहां पर टीम भेजी है. उन्होंने बताया कि बारिश के समय फैलने वाली इस तरह कि बीमारियों में पीने के पानी का ज्यादा रोल होता है. ग्रामीण इलाकों में पानी के दूषित होने और यही पानी पीने से इस तरह की बीमारियां ज्यादा फैलती हैं. टीम को निर्देश दिए गए हैं कि ग्रामीणों को दूषित पानी ना पीने की सलाह आवश्यक रूप से दी जाए. ग्रामीण कोशिश करें कि पानी को उबालकर ही सेवन करें, ताकि इस तरह की बीमारियों से वे अपना बचाव कर सकें.

मणिमहेश की यात्रा पर जत्था रवाना

बैतूल। पांच कैलाशों में से एक हिमाचल प्रदेश में स्थित भरमौर जिले में मणिमहेश के दर्शन के लिए पटवारी कॉलोनी का जत्था सोमवार को जत्था रवाना हुआ. इस मौके पर हरीश चन्द्र प्रजापति ने बताया कि मणिमहेश झील हिमाचल प्रदेश में प्रमुख तीर्थ स्थान में से एक बुद्धिल घाटी में भरमौर से 21 किलोमीटर दूर स्थित है. झील कैलाश पीक (18,564 फीट) के नीचे13,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है. हर साल, भाद्रपद के महीने में हल्के अर्धचंद्र आधे के आठवें दिन, इस झील पर एक मेला आयोजित किया जाता है, जो कि हजारों लाखों तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है, जो पवित्र जल में डुबकी लेने के लिए इकट्ठा होते हैं. भगवान शिव इस मेले के अधिष्ठाता देवता हैं. माना जाता है कि वह कैलाश में रहते हैं. कैलाश पर एक शिवलिंग के रूप में एक चट्टान के गठन को भगवान शिव की अभिव्यक्ति माना जाता है.

गर्भवती को खाट पर लादकर आधा किमी ले गए परिजन

बैतूल। सरकार और सिस्टम द्वारा गांव-गांव में सडक का जाल बिछाने और ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं देने का दावा किया जाता है लेकिन यह दावे हमेशा ही खोखले साबित होते हैं.

सड़क नहीं होने से गांव तक नहीं पहुंची एंबुलेंस

सरकार और सिस्टम के दावों की खुली पोल

सरकार और सिस्टम की उस समय पोल खुल गई जब गांव तक सडक नहीं बनने से परिजन गर्भवती महिला को लगभग आधा किमी दूर खाट पर लादकर एंबुलेंस तक लेकर पहुंचे. इस तरह की घटनाएं सामने आने के बाद भी जनप्रतिनिधि भी इस पर गंभीरता से ध्यान नहीं दे रहें. प्राप्त जानकारी के मुताबिक जिले के शाहपुर तहसील के मोखमाल ग्राम पंचायत के ग्राम छितरीबड गांव तक पक्की सडक नहीं बनी हैं. कच्चा मार्ग होने के कारण बारिश से मार्ग दलदल में तब्दील हो गया. गांव तक एंबुलेंस तक नहीं पहुंचती. गांव के ही दीना काकोडिया की पत्नी अंजू काकोडिया को प्रसव पीडा हुई. परिजनों ने इसकी सूचना 108 एंबुलेंस को दी. गांव तक सडक मार्ग नहीं होने के कारण एंबुलेंस गांव से आधा किमी दूर खडी थी. परिजन गर्भवती महिला को खाट पर लेटाकर आधा किमी दूर एंबुलेंस तक लेकर पहुंचे. इसके बाद महिला को अस्पताल तक पहुंचाया. गांव में सडक नहीं बनने के कारण ग्रामीणों को इसी तरह से परेशानियों का सामना करना पडता है. फिर भी सडक का निर्माण नहीं हो सका. ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र के जनप्रतिनिधि केवल चुनाव के समय सडक निर्माण करने सहित अन्य दावे करते हैं, लेकिन जब चुनाव खत्म होते है तो सारे वादे भूल जाते हैं.

महिला का रास्ते में ही हो गया प्रसव : गांव तक सड़क मार्ग नहीं होने और एंबुलेंस नहीं पहुंचने के कारण महिला को अस्पताल पहुंचाने में देरी हो गई. एंबुलेंस से महिला को अस्पताल ले जाया जा रहा था, उसी दौरान रास्ते में ही महिला का प्रसव हो गया. 108 एंबुलेंस के कर्मचारियों ने एंबुलेंस में ही महिला का सुरक्षित प्रसव कराया और महिला को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया. डॉक्टरों के मुताबिक जच्चा-बच्चा दोनों सुरक्षित है. महिला ने बेटे को जन्म दिया है. डॉक्टर का कहना है कि रास्ते में प्रसव होना जोखिम का काम है.

लकडी बिनने गई महिला की गला काट कर हत्या

बैतूल। रविवार जंगल में लकडी बिनने गई एक बुजुर्ग महिला की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या किए जाने की सनसनीखेज वारदात सामने आई है.

जंगल में महिला का शव मिलने से फैली सनसनी

पुलिस हत्या की घटना की कर रही जांच

कोतवाली थाना क्षेत्र में घटित जघन्य हत्या कांड की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची जहाँ महिला का खून से सना शव पडा हुआ था. पुलिस ने पोष्ट मार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है और हत्यारों का पता लगाया जा रहा है. हिवरखेडी निवासी म्रतक महिला शोभा साहू के पति रामदयाल और पुत्र जितेंद्र साहू ने बताया कि रविवार दोपहर शोभा लकडी बीनने के लिए जंगल मे गयी हुई थी. देर शाम तक जब वह घर नहीं लौटी तो खोजबीन शुरू की गई. तभी कुछ लोगों ने बताया कि शोभा जंगल मे पेड के नीचे पडी हुई है. मौके पर जब जाकर देखा तो शोभा का गला आधा कटा हुआ था. धारदार हथियार से उसका गला रेता गया था. पास ही लकडी का गट्ठा भी रखा था जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गयी. मृतिका के पति रामदयाल साहू ने बताया कि गांव में किसी से भी कोई विवाद नहीं था और ना ही किसी से रंजिश थी. लगभग दो वर्ष पूर्व मोबाइल चोरी को लेकर पडोसी से विवाद हुआ था. शोभा की हत्या किसने की इसकी कोई जानकारी नहीं है और ना ही किसी पर कोई शक है. इधर खेडी चौकी प्रभारी का कहना है कि घटना में मर्ग कायम किया गया है. जांच केबाद ही पता चल पायेगा कि महिला की हत्या किसने और किस वजह से की है. इधर पुलिस का कहना है कि इस घटना की पूरी जांच कर रहे है. जांच पूरी होने और पोस्ट मार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के बारे में और सच सामने आयेगा.

छोटे से गांव में जडी-बूटियों के सहारे कैंसर का सफल इलाज

बैतूल। घोडाडोंगरी तहसील के एक छोटे से गांव कान्हावाडी में कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियों का इलाज निशुल्क होता है. इतना ही नही यहां आने वाले निस्संतान दंपति को संतान की प्राप्ति भी हो जाती है. कान्हावाडी इलाज करवाने के लिए देश भर के लोगों के साथ ही विदेश तक के लोग भी आते हैं. कान्हावाडी के कई वर्षों से बाबूलाल भगत सतपुडा की वादियों में मिलने वाली जडी-बूटियां से लोगों का निश्शुल्क उपचार करते हैं. यहां मिलने वाली जडी-बूटियों से कई कैंसर पीडित मरीज को बीमारी से मुक्ति मिली है. इसके साथ ही कई गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीज भी यहां आकर ठीक हुए हैं. बाबूलाल भगत सप्ताह में 2 दिन रविवार और मंगलवार को दवाइयां देते हैं.ग्रामीण नवल सिंह धुर्वे ने बताया कि शादी के 4 साल बाद भी बहु को बच्चे नहीं हो रहे थे. यहां वहां दिखाया,लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ. फिर बहू को बाबूलाल भगत जी के पास ले गए. भगत जी ने जडी-बूटियां दी. जिसे खाने के बाद उनकी बहू की गोद भर गई.

कभी धूप खिलती तो कभी बरसने लगता पानी

बैतूल। पिछले दो-तीन दिनों से मौसम का अलग ही रूख देखने को मिल रहा है. कभी धूप खिलती है तो कभी बारिश होने लग जाती हैं.

847 मिमी पर पहुंचा बारिश का आंकड़ा

अगले 24 घंटे में फिर बारिश के आसार

सोमवार को भी बारिश भी होते रही और धूप भी खिली रही. अगले 24 घंटे के दौरान बैतूल में फिर बारिश का अलर्ट जारी किया है. भू अभिलेख कार्यालय से प्राप्त जानकारी के मुताबिक रविवार से सोमवार सुबह 8 बजे तक बैतूल में 2.4 मिमी, घोडाडोंगरी 5.0, चिचोली 7.0, शाहपुर 3.0, मुलताई 6.8, प्रभातपट्टन 5.2, आमला 3.0, भैंसदेही 15.0 और भीमपुर में 6.3 मिमी बारिश दर्ज की गई हैं. जिले में अब बारिश का आंकडा 847.1 मिमी पर पहुंच चुका हैं. गत वर्ष 718.9 मिमी बारिश हुई थी. पिछले साल के मुकाबले इस वर्ष अच्छी बारिश हुई है. बारिश के चलते जलस्त्रोतों का जलस्तर तेजी से बढने लगा है. इसी तरह बारिश होते रही तो औसत बारिश का कोटा भी पूरा हो जाएगी.

बच्चों बने बाल गोपाल, शिशु वाटिका बनी मथुरा वृंदावन

बैतूल। जन्माष्टमी पर्व के उपलक्ष्य में सरस्वती विद्या मंदिर कालापाठा में सोमवार बच्चों ने श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का सजीव चित्रण किया गया. विद्यालय परिसर में श्री कृष्ण-राधिका के स्वरूप धारण कर बड़ी संख्या में नौनिहाल पहुंचे, अभिभावकों ने इन्हें श्री कृष्ण-राधिका स्वरूप में सजाकर विद्यालय पहुंचाया. शिशु वाटिका मथुरा-वृन्दावन के रूप में दिखाई दे रही थी. यहां भगवान श्री कृष्ण की विभिन्न बाल लीलाओं को सजीवता पूर्ण प्रदर्शित किया गया. सुदामा-श्री कृष्ण का मिलन सजीवता पूर्वक दिखाया गया. जिससे सभी को मित्रता की शिक्षा मिली. झूला झूले कन्हैया, यशोदा से नटखट करते हुए भगवान श्री कृष्ण के साथ ही भगवान श्री कृष्ण के जन्म की सजीवता प्रस्तुति की गई. शिशु वाटिका के नन्हे मुन्ने शिशुओं ने लघु नाटिका व भजन प्रस्तुत किए. मंचीय कार्यक्रम में श्री कृष्ण-राधिका स्वरूप में सजे सैकड़ों नौनिहालों की महाआरती की गई. विद्यालय प्रबन्ध समिति कोषाध्यक्ष हरीश गढ़ेकर ने श्री कृष्ण के उपदेशों को जीवन में उतारने का कहा.

लावारिस घूम रहे विक्षिप्त को किया परिजनों के हवाले

बैतूल। यूपी के कौशाम्बी जिले के ग्राम जयनकीपुर में रहने वाले मॉनसिक विक्षिप्त वीरू को आखिर उसके परिजनों के हवाले करने में ग्रामीण युवक कामयाब हो ही गए. ग्राम उडदन में रहने वाले युवक पिछले 1 माह से गांव के आसपास घूम रहे मानसिक विक्षिप्त वीरू पांडेय के परिजनों की तलाश कर रहे थे. आखिर युवकों को सफलता मिल ही गयी और वीरू को उसके पिता केशवानंद पांडेय के हवाले कर उनके गांव रवाना कर दिया गया. इस मामले को लेकर ग्रामवासी सुनील नहारिया एवं मोनू यादव ने बताया कि करीब एक माह पूर्व मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक वीरू गांव के आसपास घूमता नजर आया था. युवक को गांव के ही लोग भोजन इत्यादि दे दिया करते थे. उसके सोने की भी व्यवस्था की गई थी. इसी बीच हम सभी ने यह तय किया कि युवक के परिजनों का पता लगाकर उसे परिजनों को सौंप दिया जाए. लेकिन वीरू से काफी पूछताछ के बाद भी उसका पता ठिकाना नहीं मिल पा रहा था. इसी बीच उसने बताया कि वह यूपी के कौशाम्बी जिले के ग्राम जयनकीपुर का रहने वाला है. लिहाजा कौशाम्बी पुलिस कंट्रोल रूम की मदद से इसकी तस्दीक कर उन्हें पूरी जानकारी दी गयी जिसके बाद पता चला कि युवक जयनकीपुर गांव के रहने वाले केशवानंद पांडेय का पुत्र है. इसके बाद पिता से मोबाइल फोन पर चर्चा कर उन्हें वीरू के हुलिए से अवगत कराया गया. तस्दीक होने के बाद वीरू के पिता रविवार ग्राम उडदन पहुंचे और जैसे ही उन्होंने अपने पुत्र वीरू को अपने सामने देखा खुशी से गद गद होकर उन्होंने उसे गले लगा लिया. आज सोमवार दोनो पिता और पुत्र को जिला कौशाम्बी रवाना कर दिया गया है.

बमुश्किल की पते ठिकाने की तलाश

पुत्र को पाकर गद-गद हुआ पिता

अनापानसती ध्यान साधना शिविर संपन्न

बैतूल। अनापानसति ध्यान आंतरिक शांति और आत्म-खोज का मार्ग प्रदान करता है, जो अभ्यासियों को एक समय में एक सचेत सांस लेकर भीतर की ओर यात्रा करने का मार्गदर्शन करता है. समर्पित अभ्यास के माध्यम से, व्यक्ति गहन अंतर्दृष्टि को उपलब्ध हो सके, जिससे व्यक्तिगत परिवर्तन और आध्यात्मिक विकास हो सकता है. आध्यात्मिक विकास व देश के नागरिकों में अध्यात्मिक नवजागरण हो उनमें ध्यान की समझ बढ़े इन्ही सब उद्देश्यो को लेकर अध्यात्मिक गुरु श्रेयांस डागा व कौशिक डागा के अथक प्रयासों पिरामिड ध्यान केंद्र में ध्यान शिविरों का आयोजन होते रहते है.

गांधी वार्ड उपचुनाव में कांग्रेस में टिकट के लिए मचेगा घमासान!

बैतूल। गांधी वार्ड से पार्षद रहे अधिवक्ता राजकुमार यादव के लंबी बीमारी के बाद निधन से रिक्त हुई सीट पर चुनावी सुगबुगाहट शुरू हो चुकी है. निर्वाचन आयोग ने निकायों और पंचायतों में रिक्त हुई सीटों पर चुनाव के लिए तारीखों का एलान कर दिया है.

पूर्व विधायक की भी प्रतिष्ठा दांव पर

आधा दर्जन से अधिक दावेदारों के नाम आए सामने

इसके बाद राजनीतिक सरगर्मियां भी बढ़ गई है. यह बात इसलिए चर्चा में है, क्योंकि कांग्रेस के पूर्व विधायक निलय डागा का पूर्व में यहां निवास था और उनकी पसंद से ही इस बार भी किसी अन्य उम्मीदवार को मैदान में उतारा जा सकता है. इसी वजह उकनी प्रतिष्ठा भी दाव पर रहेगी. हालांकि गांधी वार्ड में टिकट वितरण इतना आसान नहीं है, क्योंकि यहां पर आधा दर्जन नाम कांग्रेस से सामने आ रहे हैं. गांधी वार्ड वैसे तो व्यापारिक गतिविधियों के लिए काफी चर्चित है. अधिकांश कोठीबाजार क्षेत्र इसी वार्ड में आता है. यही वजह है कि कांग्रेस और भाजपा दोनों के लिए यह वार्ड प्रतिष्ठा से कम नहीं है. हालांकि यहां पर किसी एक पार्टी का वर्चस्व कभी नहीं रहा, लेकिन कांग्रेस प्रत्याशियों को यहां मतदाता अधिक महत्व देते आए हैं. इसी वजह अगले माह होने वाले उपचुनाव में दिवंगत पार्षद राजकुमार यादव के स्थान पर टिकट वितरण को लेकर कांग्रेस में काफी गहमागहमी मची है. दरअसल पूर्व चुनाव में पूर्व विधायक निलय डागा, तत्कालीन जिला कांग्रेस अध्यक्ष रहे (अब भाजपा में शामिल हो चुके) सुनील शर्मा ने अधिवक्ता राजकुमार यादव को इस वार्ड से उम्मीदवार बनाया था. दोनों की प्रतिष्ठा दाव पर थी, इसलिए प्रचार की कमान वे खुद संभालते रहे. यहां कांग्रेस को सफलता भी मिली और प्रत्याशी यादव मामूली वोटों से भाजपा प्रत्याशी वरूण धोटे को पराजित करने में सफल हो गए. यही वजह है कि कांग्रेस इस बार गांधी वार्ड से अपनी जीत का परचम बरकरार रखना चाह रही है.

खींचतान मची तो उलझे समीकरण : कांग्रेस में अभी भी गुटीय राजनीति हावी है. यही वजह है कि एकमात्र वार्ड के लिए शहर में हो रहे उपचुनाव को कांग्रेस भी इतने हल्के में नहीं लेगी. लिहाजा एक से अधिक दावेदार होने के कारण टिकट में पेंच भी फस सकता है. जिला अध्यक्ष हेमंत वागद्रे अपने सहयोगी प्रतीक देशमुख का नाम दमदारी से आगे बडा सकते हैं.

त्योहार | **आज शहर में गाजे-बाजे के साथ निकलेगी शोभायात्रा**

रात 12 बजते ही भगवान कृष्ण का हुआ जन्म, जयकारों से गुंजे मंदिर

बैतूल। जिलेभर में कृष्ण जन्मोत्सव का पर्व धूमधाम से मनाया गया. जन्माष्टमी का पर्व केवल भगवान कृष्ण के जन्म का ही नहीं बल्कि यह अधर्म पर धर्म की विजयी का प्रतीक भी है.

मंदिरों में रामायण पाठ सहित कई अनुष्ठान हुए

आज जगह-जगह होगी मटकी फोड़ प्रतियोगिता

मान्यताओं के मुताबिक भगवान कृष्ण का जन्म आधी रात को 12 बजे हुआ था. इसके लिए जन्माष्टमी के दिन रात में कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाता है. कृष्ण जन्मोत्सव को लेकर शहर के कई मंदिरों में रामायण पाठ के साथ कई अनुष्ठान प्रारंभ हो गए हैं. रात 12 बजते ही कृष्ण जन्मोत्सव मनाया और मंदिरों में श्रीकृष्ण के जयकारे लगाये. जन्मोत्सव के बाद आज मंगलवार को जगह-जगह शोभायात्रा निकाली जाएगी और मटकी फोडी जाएगी. सदर स्थित श्रीराधाकृष्ण मंदिर में जन्मोत्सव के पहले अखंड रामायण पाठ की शुरुआत हो गई. रात 12 बजे जन्मोत्सव मनाया गया. अगले दिन मंगलवार को विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी. शाम को 6 बजे सदर बैल बाजार में मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया हैं. कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर बच्चों में भी खासा उत्साह है. स्कूलों में भी कई आयोजन हुए. नन्हें-मुन्ने बच्चे राधाकृष्ण की वेशभूषा पहनकर पूरे हर्षोल्लास के साथ कृष्ण जन्मोत्सव के रंग में रंगे हुए है. स्कूलों में भी कृष्ण जन्मोत्सव की धूम रही. कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया.

भारत भारती विद्यालय में जन्माष्टमी की धूम : जिला मुख्यालय से कुछ ही किमी दूर स्थित भारत भारती विद्यालय में हर्षोल्लास के साथ कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया. विद्यालय में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में ब?-चढकर भाग लिया और राधाकृष्ण की वेशभूषा में बच्चों ने सबका मन मोह लिया. विद्यार्थियों ने कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर शानदार प्रस्तुतियां दी.

बिजासनी माता मंदिर और कृष्ण मंदिर में मनाया जन्मोत्सव

शहर के गंज स्थित बिजासनी माता मंदिर और कृष्ण मंदिर में रात 12 बजे कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया. बिजासनी मंदिर समिति के अध्यक्ष दीपक शर्मा ने बताया कि कृष्ण जन्मोत्सव के पहले मंदिर में रात्रि 8 बजे से विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया. महाआरती के साथ 51 किलो मिठाई और 11 किलो माखन मिश्री तथा पंजीरी का भोग लगाया. मंडी स्थित कृष्ण मंदिर में भी जन्मोत्सव मनाया. दिन भर मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए मंदिरों में भक्तों का ताता लगा रहा.

धूमधमा से मनाई गई अन्ना भाऊ साठे जयंती

बैतूल। मांग (मातंग) समाज द्वारा अन्ना भाऊ साठे परिसर में लोकशाहीर साहित्य सम्राट अणाभाऊ साठे की 104 वी जयंती धूमधाम से मनाई गई.

कार्यक्रम लहूजी शक्ति सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष व संस्थापक महानुभाव विष्णुभाऊ कस्बे पुणे, बैतूल विधायक हेमन्त खण्डेलवाल, नगर पालिका अध्यक्ष पार्वती बाई बारसकर, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष आनन्द प्रजापति, मण्डल अध्यक्ष (गंज/कोठीबाजार) विकास मिश्रा, विक्रम वैद्य, नगर पालिका उपाध्यक्ष महेश राठौर, पूर्व अनुसूचित जाति/जनजाति जिलाध्यक्ष भाजपा सतीश जौंधलेकर, अजाक्स जिला अध्यक्ष छत्रपाल मसकोले के आतिथ्य में संपन्न हुआ. कार्यक्रम में डॉ.शीतल तिलंगे खरे द्वारा महिला सशक्तिकरण पर लिखी किताब वुमन इम्प्वार्मेंट का भी विमोचन किया गया. इस मौके पर विष्णु भाऊ कस्बे ने कहा कि अन्ना भाऊ साठे एक मराठी समाज सुधारक, लोक कवि और लेखक थे. उनका लेखन सामाजिक और राजनीतिक सक्रियता पर आधारित था. उन्होंने संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. हेमंत खंडेलवाल ने मंगल भवन पर टीन शेड डालने के लिए लगने वाली राशि देने की घोषणा की. छत्रपाल मसकोले ने कहा कि अन्ना भाऊ ने ग्रामीण रूढ़िवादी व्यवस्था को बदलने के अलख जलाई. कार्यक्रम का मंच देवेन्द्र लांगडे ने और आभार कृष्ण सोनारे ने व्यक्त किया. कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्रीमती अभिलाषा देवेंद्र खड़से दिल्ली, श्रीमती दीपिका मयूर गोरले एवं परिवार मुम्बई,सचिव लखन राव गायकवाड़,सह सचिव आकाश राव खंडारे, विकास राव खंदारे, रामकुमार गायकवाड़, राहुल वानखेड़े आदि मौजूद थे.